सींग रोधित बछड़ा

आलेख एवं प्रस्तुतिकरणः-
डॉ0 राजेश कुमार, डॉ0 अर्चना कुमारी, डॉ0 भावना
एवं डॉ0 विपीन कुमार
सहायक प्राध्यापक, बिहार वेटेनरी कॉलेज, बिहार, पटना।
विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय परिसर पटना-14
Email: deebasupatna@gmail.com (Official), dee-basu-bih@gov.in
Mob.: +91 94306 02962,+91 80847 79374

RE: 8051910781/ August/ 2022

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय
BIHAR ANIMAL SCIENCES UNIVERSITY

प्रसार पुस्तिका संख्याः- DEE/2022-49

पशुओं में सींग रोधन एवं उसके लाभ

प्रसार शिक्षा निदेशालय
बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय,पटना-14

पशुओं में सींग रोधन एवं उसके लाभ

पशुपालन के लिए पशु प्रबंधन बहुत ही महत्वपूर्ण है। उचित पशु प्रबंधन करने से पशुओं की देखभाल आसान हो जाती है। पशु प्रबंधन भी बहुत महत्वपूर्ण है। पशुओं में सींगों की बहुत उपयोगिता नहीं होती है। सींग विहीन पशुओं की देखभाल आसानी से की जा सकती है एवं उसमें होने वाली बीमारियाँ जैसे सींग का कैंसर, सींग के खोल का उतारना, सींग का टूटना आदि से पशु सुरिक्षत रहता है। पशु गौशाला में कम स्थान लेता है एवं देखने में भी अच्छा लगता है।

पशुओं के सींग अंकुर को नष्ट करने की प्रक्रिया को निश्कलीकायन कहते है, उसे अंग्रेजी में डिसबडिंग बोला जाता है। बछड़ों में सींग रोधन 5–10 दिन की आयु में या अंकुर दिखने लगे तब किया जाता है।

सींग रोधन की प्रमुख दो विधियाँ हैः–

1 रासायनिक प्रक्रिया

2 तापीय प्रक्रिया

सींग रोधन की प्रक्रिया–सर्व प्रथम पशु को प्रीएनेस्थेटिक एजेंट जैसे डाइजेपाम, जायलाजिन आदि के मदद से नियंत्रित किया जाता है या फिर पशु को ट्रेविस में बाँध कर नियंत्रित करके स्थानीय निश्चेतक की मदद से सींग काजड़ वाला स्थान सुन्न किया जाता है। इस तरह पशु को नियंत्रित करने पर पशु को दर्द नहीं होता है।

1. रासायनिक प्रक्रियाः– सबसे पहले पशु को नियंत्रित करके सींग अंकुर के आस–पास के बालों को हटा देते हैं। सींग वाली जगहो को साबुन से अच्छी तरह साफ कर लेते है एवं स्पिरिट या बीटाडीन के मदद से किटाणु रहित करते है। उसके बाद सींग अंकुर के चारों तरफ वैसलिन का लेप लगाते हैं ताकि रसायन का फैलाव आगे की तरफ नहीं हो सके। इसके बाद कास्टिक पोटाश धीरे–धीरे रगड़ते है जब तक उस जगह थोड़ी मात्रा में रक्त न आ जाये। उसके बाद सतह को सूई से साफ करके, उसके उपर मक्खी भगाने वाले मलहम लगाते हैं।

सींग रोधन रासायनिक प्रक्रिया द्वारा

सींग रोधन रासायनिक प्रक्रिया द्वारा

1. तापीय प्रक्रियाः–इस प्रक्रिया में गरम लोहे या इलेक्ट्रीक रॉड से सींग अंकुर को नष्ट किया जाता है। रासायनिक प्रक्रिया की तरह पशु को नियंत्रित करके, सींग अंकुर वाले भाग को तैयार करते है। उसके बाद गर्म लोहे की रॉड या इलेक्ट्रीक रोड को सींग अंकुर के उपर रखकर जला दिया जाता हैं। उसके बाद उस भाग पर एंटी–सेप्टीक घोल या एंटी–सेप्टीक स्प्रे का प्रयोग करते हैं, ताकि किसी भीतर के संक्रमण को रोका जा सके।

सींग रोधन तापीय प्रक्रिया द्वारा